अध्याय – 12 || Chapter - 12

क्रांतिकारी आंदोलन || Revolutionary Movement

01 क्रांतिकारी आंदोलन का प्रथम चरण

02 क्रांतिकारी आंदोलन का द्वितीय चरण

03 प्रथम चरण एवं द्वितीय चरण की क्रांतिकारी आंदोलन के स्वरूप में अंतर

04 मूल्यांकन

1) क्रांतिकारी आंदोलन का प्रथम चरण

1) पृष्ठभूमि

4) विदेशों में क्रांतिकारी आंदोलन

2) क्रांतिकारी आंदोलन के उदय के कारण

3) आरम्भ एवं क्षेत्रीय विस्तार

1.1) पृष्ठभूमि (Background)

क्रांतिकारियों का मानना था कि औपनिवेशिक शासन का अंत केवल हिंसक साधनों के प्रयोग द्वारा ही सम्भव है। अतः फ्रांसीसी अमेरिकी, आयरलैंड आदि की क्रांतियों के आदर्शों से प्रेरित इन क्रांतिकारियों ने देश की स्वतंत्रता की प्राप्ति हेतु हिंसा का मार्ग अपनाया। क्रांतिकारी यह विश्वास करते थे कि राष्ट्रीय जीवन में जो भी उपयुक्त तत्त्व है, जैसे कि धार्मिक तथा राजनैतिक स्वतंत्रता, नैतिक मूल्य तथा भारतीय संस्कृति उन सभी को विदेशी शासन या तो समाप्त कर देगा या फिर उनके स्वरूप को विकृत कर देगा।

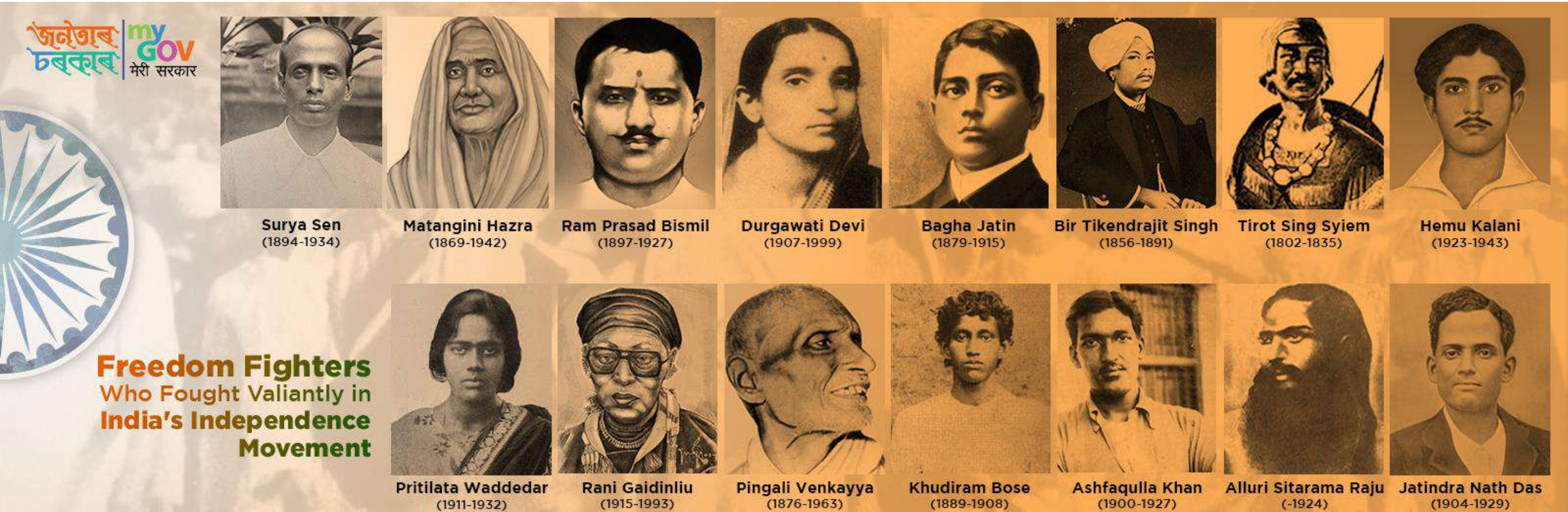

1.2) क्रांतिकारी आंदोलन के उदय के कारण

उदय के कारण

उग्रवादी आंदोलन की असफलता	उदारवादी आंदोलन से उपजी निराशा	विदेशी विचारधारा से प्रेरणा (रूसी निहिलिस्टो, आयरलैंड (के आतंकवादियों से)	सरकार की दमन एवं प्रतिक्रियावादी नीति

1) क्रांतिकारी आंदोलन के उदय में उदारवादी और उग्रवादी नेतृत्वकर्त्ताओं द्वारा जनता को कुशल नेतृत्व प्रदान करने में असफलता प्रमुख कारण था।
   - वस्तुतः उदारवादी प्रार्थना और प्रतिवेदन की रणनीति की अव्यावहारिकता तथा उग्रवादी नेतृत्वकर्त्ताओं के निष्क्रिय प्रतिरोध की नीति की असफलता ने क्रांतिकारियों में बम और पिस्तौल की राजनीति के प्रति उनका विश्वास जगाया।
   - गरम दल द्वारा आंदोलन की कमियों का विश्लेषण करने में असफलता।
2) 1905 ई. में जापान द्वारा रूस के पराजित होने पर यूरोपीय अपराजेयता का मिथक टूट गया। साथ ही आयरलैंड के राष्ट्रवादियों और रूसी निहिलिस्टों द्वारा किये जाने वाले वीरतापूर्ण कार्यों और क्रांतिकारी गतिविधियों ने भी भारतीय युवकों को प्रेरित किया।

3) सरकारी दमन ने बंगाल के युवकों को विद्रोही बनाया। जैसे- बंगाल विभाजन, स्वदेशी आंदोलन का क्रूर दमन, सार्वजनिक सभाओं, प्रदर्शनों एवं प्रेस पर प्रतिबंध लगाना इत्यादि।

- इस दमन के विरोध में युगांतर ने लिखा कि बल को बल से रोका जाना चाहिये।
- साथ ही 'संध्या' तथा 'काल' जैसे समाचार पत्रों ने भी क्रांतिकारी विचारों का प्रसार किया।
- इससे प्रेरित होकर युवा पीढ़ी वैयक्तिक वीरता की कार्यवाहियों एवं क्रांतिकारी आंदोलन की ओर उन्मुख हुई।

1.3) क्रांतिकारियों की पद्धतियाँ (Methods of Revolutionaries)

- हिंसात्मक कार्य करना
- लोकप्रिय ब्रिटिश अधिकारियों व उनके समर्थकों की हत्या
- धन एकत्रित डकैती व लूट
- समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं का प्रकाशन
- सरकार विरोधियों से मिलकर सैनिक षड्यंत्र

1) क्रूर, अलोकप्रिय एवं महत्त्वपूर्ण अधिकारियों एवं उसके समर्थकों की हत्या कर उनका मनोबल तोड़ना।
2) गुप्त समितियों की स्थापना करना ।
3) ब्रिटेन के शत्रु देशों से सैनिक सामग्री प्राप्त करने के प्रयास। इसके लिये विदेशों में रह रहे समान विचारधारा वाले भारतीयों से सहायता प्राप्त करना ।
4) क्रांतिकारी विचारों के प्रसार के लिये साहित्य, समाचार पत्रों एवं पैम्फलेट का प्रकाशन करना ।
5) क्रांतिकारी गतिविधियों के संचालन हेतु धन एकत्रित करने के लिये डकैती डालना, इसे स्वदेशी डकैती कहा गया।
6) धार्मिक कार्यक्रमों, व्यायाम एवं सैनिक शिक्षा आदि में युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करते हुए क्रांतिकारी विचारधारा से जोड़ना।

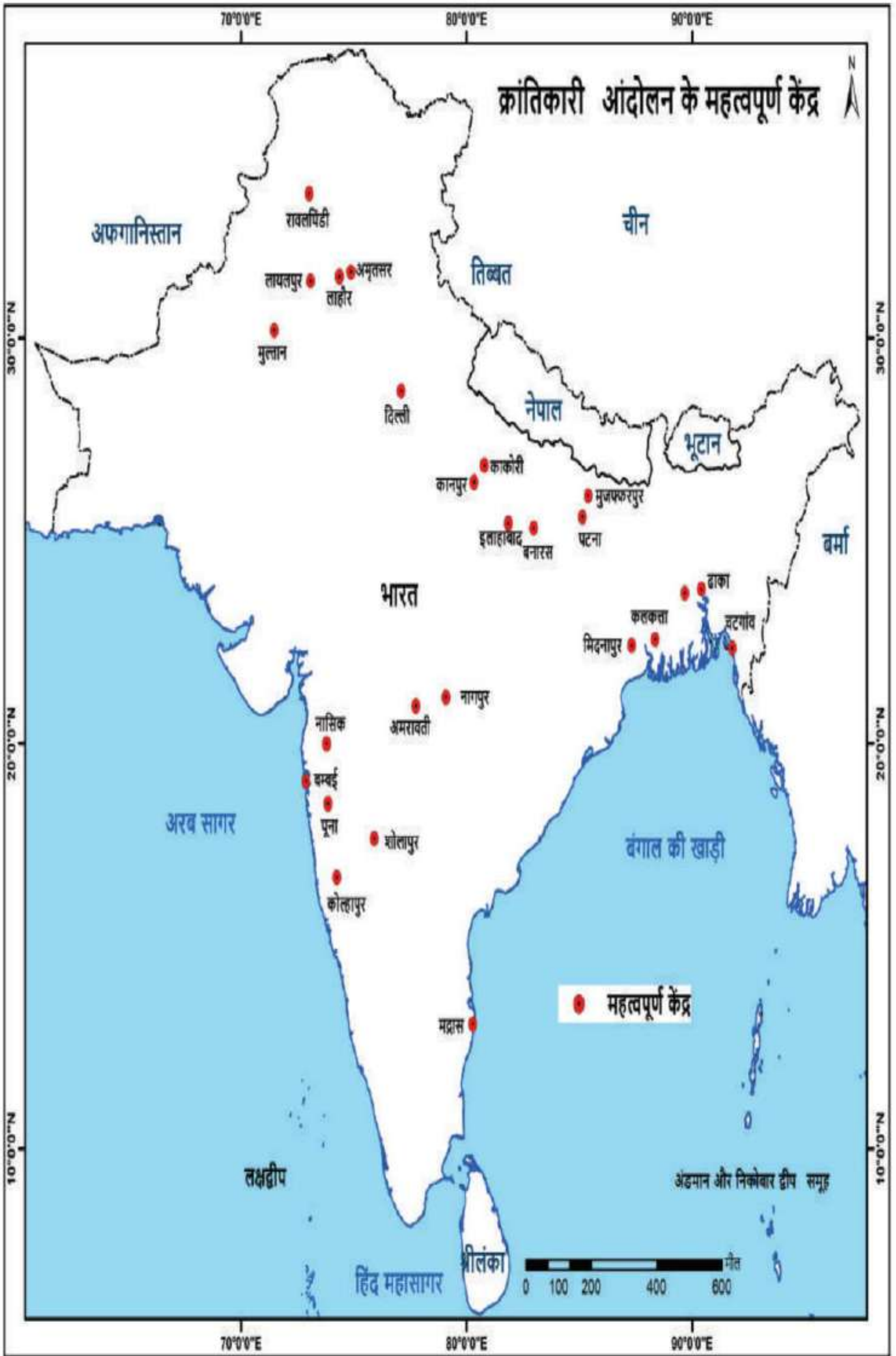

2) क्रांतिकारी आंदोलन का द्वितीय चरण

1) उदय का कारण

2) उत्तर भारत में क्रांतिकारी गतिविधियाँ

3) आंदोलन के दमन हेतु किये गए सरकारी प्रयास

2.1) उदय का कारण

1) 1922 ई. में गांधीजी द्वारा असहयोग आंदोलन वापस लिये जाने के बाद तथा देश में उपजी राजनीतिक शून्यता की स्थिति में उत्साही युवा वर्ग का अहिंसात्यक संघर्ष से मोहभंग हो गया और वह पुनः क्रांतिकारी गतिविधियों की ओर मुड़ गया।
2) इस समय क्रांतिकारी आंदोलन की दो धाराएँ एक उत्तर भारत (पंजाब, उत्तर प्रदेश और बिहार) में तथा दूसरी बंगाल में विकसित हुई।
3) द्वितीय चरण के क्रांतिकारी आंदोलन की पृष्ठभूमि तो प्रथम चरण के क्रांतिकारियों ने ही तैयार किया था। किंतु तत्कालीन समय में असहयोग आंदोलन को वापस लेने से युवकों में नैराश्य और कुंठा को बढ़ा दिया। फलतः गांधीवादी रणनीति से उनका मोहभंग हो गया और वैकल्पिक राजनीति के रूप में वे आतंकवाद की ओर मुड़ गए।

1) साथ ही स्वराज पार्टी द्वारा सरकार में भागीदारी की राजनीति भी युवाओं को आकर्षित नहीं कर पाई।

2) अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले परिवर्तनों जैसे- रूस की क्रांति तथा प्रथम विश्वयुद्ध के बाद वैश्विक परिस्थितियाँ जिनमें उपनिवेशवादी विचारधारा के खिलाफ स्वर मुखर होने लगे थे, ने भी भारतीय युवा पीढ़ी को क्रांतिकारी सशस्त्र संघर्ष के लिये प्रेरित किया।

- भारतीय जनता में गांधीजी की अहिंसावाद की नीतियों की निरर्थकता के प्रति जागृति उत्पन्न करना।
- पूर्ण स्वतंत्रता की प्राप्ति के लिये प्रत्यक्ष कार्यवाही तथा क्रांति की आवश्यकता का प्रदर्शन करना।
- अंग्रेजी साम्राज्यवाद के स्थान पर समाजवादी विचारधारा से प्रेरित संयुक्त राज्य भारत में संघीय गणतंत्र की स्थापना करना।

3) 1928 ई. में दिल्ली के फिरोजशाह कोटला की बैठक में भगत सिंह, जतीन्द्रनाथ, अजयघोष एवं जतीन्द्र नाथ घोष ने हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकिन आर्मी की स्थापना की।

4) इसका घोषणा पत्र क्रांतिकारी आंदोलन पर समाजवादी विचारधारा के प्रभाव का परिचायक है। इसके घोषणापत्र के कुछ घोषित लक्ष्य निम्न हैं-

- उन तमाम व्यवस्थाओं का उन्मूलन करना जिसके तहत एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का शोषण करता है।
- रेल एवं परिवहन के अन्य साधनों तथा इस्पात एवं जहाज़ निर्माण जैसे बड़े-बड़े उद्योगों का राष्ट्रीयकरण करना
- इस संगठन का उद्देश्य मज़दूरों एवं किसानों का संगठन बनाना होगा जो संगठित होकर क्रांति के लिये काम करेगा।
- हिंदू-मुस्लिम एकता पर बल दिया गया।
- साम्यवाद में आस्था व्यक्त करते हुए कहा गया कि प्रकृति की सम्पदा पर हर इंसान का बराबर हक है।

2.2) उत्तर भारत में क्रांतिकारी गतिविधियाँ

1) असहयोग आंदोलन की असफलता के पश्चात उत्तर भारत में पुनःक्रांतिकारी गतिविधियाँ आरम्भ हो गई। इस दौरान शचींद्र नाथ सान्याल की पुस्तक बंदी जीवन (हिंदी, गुरुमुखी) ने अनेक युवाओं को क्रांतिकारी आंदोलन के प्रति आकर्षित किया।

2) अक्टूबर 1924 में शचीन्द्र नाथ सान्याल, राम प्रसाद बिस्मिल, चंद्रशेखर आजाद तथा योगेश चंद्र चटर्जी ने कानपुर में क्रांतिकारी संस्था हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन की स्थापना की। इसका उद्देश्य सशस्त्र क्रांति के माध्यम ब्रिटिश सत्ता को समाप्त कर वयस्क मताधिकार आधारित संघीय गणतंत्र संयुक्त राज्य भारत की स्थापना करना था।

3) 9 अगस्त, 1925 को हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) के सदस्यों द्वारा 8 डाउन रेलगाड़ी से लखनऊ के समीप काकोरी नामक स्टेशन पर सरकारी खजाना लूट लिया गया। काकोरी कांड से प्रसिद्ध इस घटना से जुड़े 29 क्रांतिकारियों को गिरफ्तार कर मुकदमा चलाया गया, जिसमें राम प्रसाद बिस्मिल (गोरखपुर जेल), अशफाक उल्ला खाँ (फैजाबाद जेल), रोशन सिंह (इलाहाबाद) तथा राजेंद्र लाहिडी (गोंडा) को फाँसी दे दी गई।

4) काकोरी कांड के पश्चात् एच. आर. ए. के चंद्रशेखर आजाद को छोड़कर सभी सदस्यों की गिरफ्तारी से संगठन का अस्तित्त्व खतरे में पड़ गया।

5) सितम्बर 1928 में दिल्ली के फिरोज़शाह कोटला मैदान में उत्तर भारत के युवा क्रांतिकारियों की बैठक में चंद्रशेखर आजाद और भगत सिंह ने हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (एच.एस. आर.ए.) की स्थापना की। इस काल में क्रांतिकारी व्यक्तिगत आतंकवाद एवं हत्या की रणनीति की बजाय संगठित क्रांतिकारी गतिविधियों में विश्वास करने लगे थे। किंतु इसी दौरान 30 अक्टूबर, 1918 को साइमन कमीशन के खिलाफ प्रदर्शन में लाला लाजपत राय की पुलिस लाठीचार्ज से मृत्यु हो गई।

6) इस घटना की प्रतिक्रिया स्वरुप भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद एवं राजगुरु ने पुलिस अधिकारी सांडर्स की हत्या कर दी।

7) 8 अप्रैल, 1929 को केंद्रीय विधानमंडल में जिस समय ट्रेड डिस्प्यूट बिल और पब्लिक सेफ्टी बिल पर बहस चल रही थी, भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त द्वारा बम फेंका गया जिसका उद्देश्य जनता में अपने राजनीतिक दर्शन एवं विचारों का प्रसार करना था। इसके पश्चात् इनको गिरफ्तार कर इन पर केंद्रीय असेम्बली बम कांड के तहत मुकदमा चलाया गया। इस घटना के पश्चात् एच. एस. आर. ए. के अन्य सदस्यों को भी गिरफ्तार किया गया।

8) जेल में क्रांतिकारियों द्वारा राजनीतिक बंदियों का दर्जा दिये जाने की मांग को लेकर भूख हड़ताल किया जाने लगा। इसी दौरान 13 सितम्बर, 1929 को जतिन दास की भूख हड़ताल के 64वें दिन मृत्यु हो गई।

9) केंद्रीय विधानमंडल में बम फेंकते समय ही पहली बार भगत सिंह ने इंकलाब जिंदाबाद का नारा दिया। इसकी रचना मुहम्मद इकबाल ने की थी

10) 23 मार्च, 1931 को लाहौर षडयंत्र केस के तहत भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फाँसी दे दी गई।

11) सरकार द्वारा फरार घोषित चंद्रशेखर आज़ाद भूमिगत होकर क्रांतिकारी गतिविधियों का संचालन करने लगे। फरवरी 1931 में अल्फ्रेडपार्क (इलाहाबाद) में एक पुलिस मुठभेड़ में आजाद वीरगति को प्राप्त हो गए।

बंगाल में क्रांतिकारी आंदोलन

- क्रांतिकारी आंदोलन के दूसरे चरण में बंगाल में अनुशीलन गुट और सुभाषचंद्र बोस के नेतृत्व में युगांतर जैसी क्रांतिकारी संस्थाएँ एक बार पुनः सक्रिय हुई।
- इसी समय बंगाल में हेमचंद्र घोष तथा लीला नाग ने बंगाल स्वयं सेवक संघ तथा अनिल राय ने श्री संघ नामक संस्था की स्थापना की।
- नए विद्रोही संगठनों में सबसे सक्रिय था चटगाँव क्रांतिकारियों का गुट, जिसके नेता थे सूर्यसेन। इन्हें लोग मास्टर दा के नाम से पुकारते थे।
- सूर्यसेन ने इंडियन रिपब्लिकन आर्मी (आई.आर.ए.) की स्थापना की। आई. आर. ए. के सदस्यों ने 18 अप्रैल, 1930 को चटगाँव शस्त्रागार पर आक्रमण कर कब्ज़ा कर लिया। सूर्यसेन ने 65 सदस्यीय क्रांतिकारी दल द्वारा अस्थाई क्रांतिकारी सरकार का गठन किया, जिसके राष्ट्रपति वह स्वयं बने ।
- इस चरण के क्रांतिकारी आंदोलन में महिलाओं की भागीदारी भी रही ।
- प्रीतिलता वाडेदर चटगाँव के रेलवे इंस्टीट्यूट पर छापे के समय शहीद हो गईं। कल्पना दत्त, सूर्यसेन के साथ गिरफ्तार हुई और इन्हें आजीवन कारावास की सजा मिली।
- दिसम्बर 1931 में कोमिला की दो छात्राओं शांति घोष और सुनीति चौधरी ने जिलाधिकारी की हत्या कर दी।
- 6 फरवरी, 1932 को कलकत्ता विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में गवर्नर स्टेनली जैक्शन की हत्या का प्रयास बीना दास ने किया।
- 16 फरवरी, 1933 को सूर्यसेन गिरफ्तार कर 12 जनवरी 1934 को फाँसी दे दी गई।

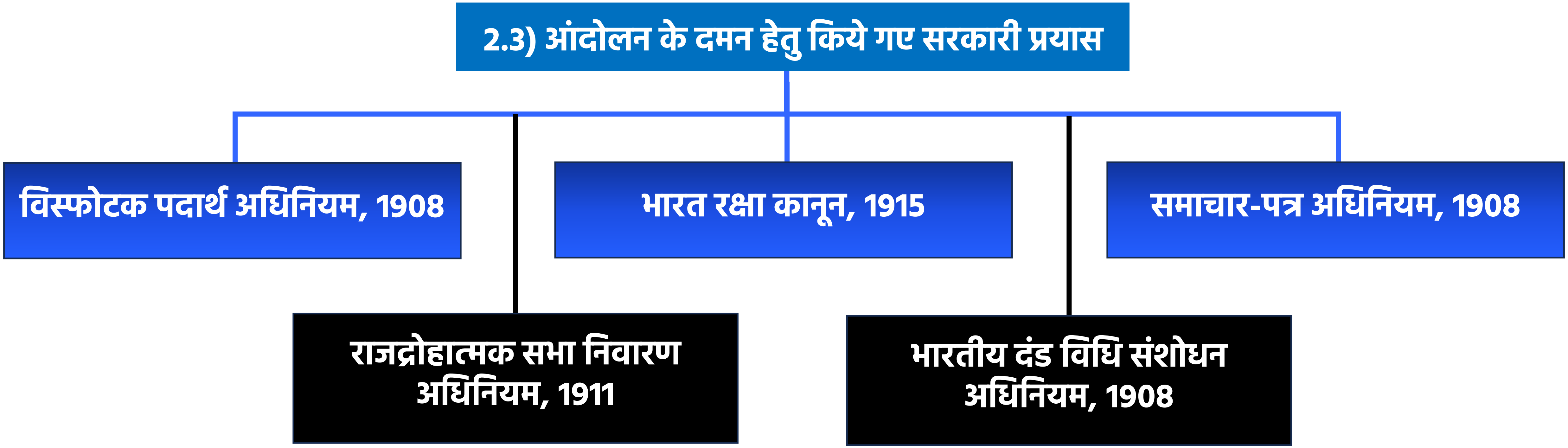

1) क्रांतिकारी गतिविधियों द्वारा उत्पन्न परिस्थितियों से निपटने के लिये ब्रिटिश सरकार द्वारा विभिन्न प्रयास किये गए। इस क्रम में सरकार ने कई अधिनियम यथा- 1908 ई. में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, समाचार पत्र (अपराध प्रेरक) अधिनियम, भारतीय फौजदारी कानून संशोधन अधिनियम तथा 1911 ई. में राजद्रोहात्मक सभा निवारण अधिनियम इत्यादि पारित किये। इसके अलावा, मुख्य रूप से सभा निवारण अधिनियम इत्यादि पारित किये गए। मुख्य रूप से गदर आंदोलन का दमन करने के उद्देश्य से 1915 में भारत सरकार द्वारा भारतीय रक्षा कानून लागू किया गया।

असफलता के कारण

1) क्रांतिकारी आंदोलन की विचारधारा साधारण जनता को आकृष्ट करने में असफल रही, फलत: इस विचारधारा का व्यापक सामाजिक आधार तैयार नहीं हो पाया।

2) जनता की भागीदारी क्रांतिकारी आंदोलन में प्रभावपूर्ण तरीके से दर्ज नहीं की जा सकी । ऐसी स्थिति में केवल व्यक्तिगत त्याग एवं वीरता के बल पर साम्राज्यवादी शक्ति से लड़ाई नहीं लड़ी जा सकती थी।

3) साथ ही वम एवं पिस्तौल की पद्धति स्थाई प्रभाव उत्पन्न करने में असफल रही।

4) क्रांतिकारी आंदोलन का विचारधारा आदर्शवादी तत्त्वों का समुच्चय था। इसमें व्यावहारिकता कम थी।

5) एक केंद्रीय संगठन का अभाव था तथा विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय क्रांतिकारियों में आपसी समन्वय की कमी थी। साथ ही सीमित साधनों के साथ हिंसा की कार्यपद्धति द्वारा ब्रिटिश शक्ति के खिलाफ सफलता प्राप्त करना एक दुरुह कार्य था।

6) क्रांतिकारी आंदोलन में विदेशों से मिलने वाला सहयोग वैश्विक राजनीति से प्रभावित था। अमेरिका जब मित्र राष्ट्रों के साथ हो गया तो वहाँ क्रांतिकारी गतिविधियों के केंद्रों को बंद करना पड़ा।

7) क्रांतिकारी आंदोलन के प्रति कांग्रेस का दृष्टिकोण उदासीन रहा। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में गांधीजी के प्रवेश के बाद क्रांतिकारी आंदोलन के हिंसात्मक विचारधारा की स्वीकार्यता लगभग समाप्त हो गई।

योगदान (Contribution)

1) क्रांतिकारी आंदोलन ने भारतीयों में राष्ट्रीयता की प्रबल भावना का विकास किया। व्यक्तिगत त्याग और बलिदान द्वारा क्रांतिकारियों ने जिन आदर्शों का निर्माण किया, वे आज भी प्रेरित करते हैं।

2) गांधीजी हिंसा के कट्टर विरोधी थे परंतु उन्होंने इन देशभक्तों की देशभक्ति की सराहना की और स्पष्ट रूप से कहा- "हमारे मस्तक भगत सिंह की देशभक्ति साहस तथा भारतीय जनता के प्रति प्रेम तथा बलिदान के आगे झुक जाते हैं। "

3) आम जनमानस में स्वतंत्रता प्राप्ति हेतु संघर्ष करने की भावना को जागृत किया एवं मनुष्यता के गौरव को पुनर्स्थापित किया।

1. परिचय | Introduction

1. क्रांति / Revolution - किसी व्यवस्था / प्रणाली में आमूल-चूल परिवर्तन | Radical changes in a system

↓

क्रांतिकारी आंदोलन | Revolutionary movement ⟶ ब्रिटिश उपनिवेशवादी साम्राज्य को केवल हिंसक साधनों का प्रयोग करके ही समाप्त किया जा सकता है | The British colonial empire can only be ended by using violent means.

↓

आदर्श वाक्य | Motto :- तिलक द्वारा

↓

अनुनय-विनय नहीं बल्कि युयुत्सा

2. प्रमुख केंद्र | Major center ⟶ पंजाब, बंगाल और महाराष्ट्र | Punjab, Bengal and Maharashtra

क्रांतिकारी आंदोलन | Revolutionary movement

1. क्रांतिकारी आंदोलन का प्रथम चरण | First phase of revolutionary movement
2. विदेशों में क्रांतिकारी आंदोलन | Revolutionary movement abroad
3. क्रांतिकारी आंदोलन का द्वितीय चरण | Second phase of revolutionary movement

2. महाराष्ट्र में क्रांतिकारी गतिविधियां | Revolutionary activities in Maharashtra

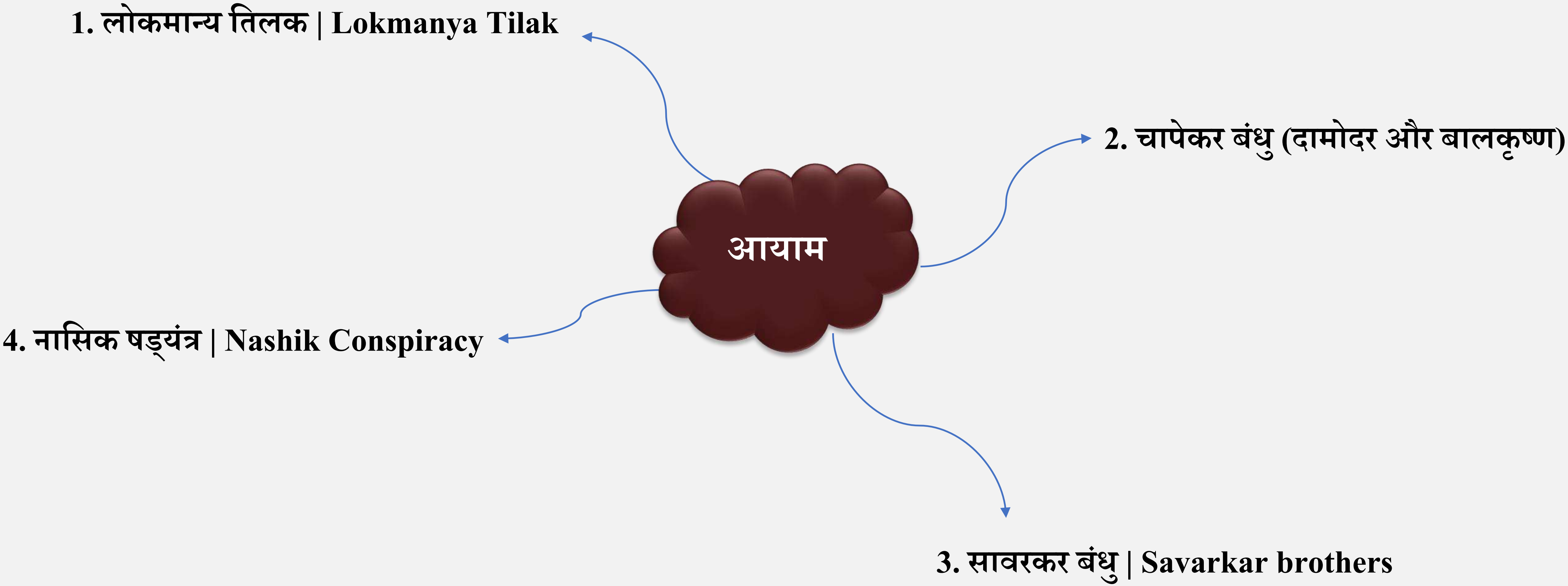

2.1) लोकमान्य तिलक | Lokmanya Tilak

1. लोकमान्य तिलक महाराष्ट्र में क्रांतिकारी आंदोलन के प्रेरणा स्त्रोत | Lokmanya Tilak as the inspiration of revolutionary movement in Maharashtra

2. माध्यम | Medium
   - समाचार पत्र | Newspaper
     1) मराठा (अंग्रेजी :- आगरकर) | Maratha (English: - Agarkar)
     2) केसरी (मराठी :-केलकर) | Kesari (Marathi: -करकर)
   - उत्सव | Festival
     1) गणेश उत्सव | Ganesh Festival (1893)
     2) शिवाजी उत्सव | Shivaji Festival (1895)

3. पत्रकारिता के कारण जेल जाने वाले प्रथम व्यक्ति | First person to go to jail for journalism

   ↓

   I. केसरी में कोल्हापुर के महाराज शिवाजी राव का अंग्रेजों द्वारा किए जाने की आलोचना The British criticized Maharaja Shivaji Rao of Kolhapur in Kesari :- चार माह की सजा | Four month sentence

II. 1891 में चापेकर बंधुओं द्वारा महाराष्ट्र पुलिस कमिश्नर रैंड और लेफ्टिनेंट आयर्स्ट की हत्या की तुलना शिवाजी द्वारा अफजल खा की हत्या से की | Shivaji's murder of Afzal Kha in 1891 compared the murder of Maharashtra Police Commissioner Rand and Lt. Erst by the Chapekar brothers. :- 18 माह की सजा (राजद्रोह) | 18 months imprisonment (treason)

↓

अखिल भारतीय लोकप्रियता और लोकमान्य की उपाधि | All India popularity and the title of Lokmanya

III. 3 जुलाई 1908 ⟶ केसरी में अंग्रेजों की आलोचना (देश का दुर्भाग्य नामक लेख) | Criticism of the British in Kesari (article titled 'Bad luck of the country')

↓

6 वर्ष की सजा और माडेल (बर्मा) जेल भेजा | Sentenced to 6 years and sent to Madel (Burma) prison

↓

पुस्तक | Book :- गीता रहस्य की रचना | Creation of geeta secret

2.2) चापेकर बंधु (दामोदर और बालकृष्ण) | Chapekar brothers (Damodar and Balkrishna)

1. जून, 1897 ई. में पूना में चापेकर बंधुओं दामोदर हरि चापेकर और बालकृष्ण हरि चापेकर ने पूना प्लेग कमिश्नर रैण्ड तथा उनके साथी लेफ्टिनेंट आयर्स्ट की हत्या कर दी | In June 1897 AD, Chanderkar brothers Damodar Hari Chapekar and Balkrishna Hari Chapekar killed Poona Plague Commissioner Rand and his fellow lieutenant Ayrst in Poona.
2. 1898 ई. में इनकी हत्या के आरोप में दामोदर हरि चापेकर को फांसी दे दी गई | In 1898, Damodar Hari Chapekar was hanged for his murder.
3. चापेकर बंधुओं द्वारा 1897 ई. में की गई रैण्ड एवं आयर्स्ट की हत्या भारत में यूरोपियों की पहली राजनीतिक हत्या थी | The murder of Rand and Erst by the Chapekar brothers in 1897 AD was the first political murder of Europeans in India.
4. चापेकर बंधू हिंदू धर्म सभा से सम्बृद्ध थे | The Chapekar brothers belonged to the Hindu religion assembly

2.3) सावरकर बंधु | Savarkar brothers
(विनायक दामोदर और गणेश दामोदर) | (Vinayak Damodar and Ganesh Damodar)

1. मैजिनी की तरुण इटली से प्रभावित | Magini's Tarun, influenced by Italy

↓

गुप्त संगठन | Secret organization → मित्र मेला | Friend fair

↓ नाम परिवर्तन | Name change

अभिनव भारत (1904 नासिक) | Abhinav Bharat (1904 Nashik)

2. सदस्य | Member
- पांडुरंग महादेव बापट :- पेरिस (बम बनाने की कला) | Paris (bomb art)
- अनंत लक्ष्मण करकरे :- नासिक षड्यंत्र | Nashik Conspiracy, 1909

2.4) नासिक षड्यंत्र | Nashik Conspiracy, 1909

1. **1909 ई. में नासिक के जिला मजिस्ट्रेट जैक्सन को अनन्त लक्ष्मण कन्हारे ने गोली मार दी | In 1909 AD, District Magistrate Jackson of Nashik was shot by Anant Laxman Kanhare.**
2. **1911 ई. में जैक्सन हत्याकांड में अनन्त लक्ष्मण कन्हारे, कृष्णजी गोपाल कर्वे और विनायक देशपांडे को फांसी दे दी गई | Anant Laxman Kanhare, Krishnaji Gopal Karve and Vinayak Deshpande were hanged in the Jackson massacre in 1911.**
3. **वी. डी. सावरकर को लंदन से गिरफ्तार करके नासिक लाकर आजीवन कारावास की सजा दे दी गई | VD Savarkar was arrested from London and brought to Nashik and sentenced to life imprisonment.**
4. **नासिक षड्यंत्र के बाद महाराष्ट्र के क्रांतिकारियों की रीढ़ टूट गई | The revolutionaries of Maharashtra broke the backbone after the Nashik conspiracy**

3. बंगाल में क्रांतिकारी आंदोलन | Revolutionary movement in Bengal

1) परिचय | Introduction

2) अनुशीलन समिति | Anusheelan Committee

3) मुज़फ़्फ़रपुर के न्यायाधीश किंग्सफोर्ड की हत्या का प्रयास

4) अलीपुर षड्यंत्र केस | Alipore Conspiracy Case (1908)

5) हावड़ा षड्यंत्र केस | Howrah Conspiracy Case (1910)

6) अन्य तथ्य | Other facts

1) परिचय | Introduction

1. बंगाल विभाजन (1905) के पश्चात तीव्रता | Intensification after the Partition of Bengal (1905)

2. बंगाल में प्रसार | Spread in Bengal
    1. भ्रद्रलोक समाज | Bhradralok society
    2. वारिंद्र कुमार घोष और भूपेंद्र नाथ दत्त (स्वामी विवेकानंद की भाई)
    3. समाचार पत्र | Newspaper
        - 1) युगांतर | Yugaantar (वारिंद्र घोष, भूपेंद्र नाथ दत्त और अरविंद घोष)
        - 2) संध्या | Sandhya (ब्रह्मबांधव उपाध्याय)
        - 3) वंदे मातरम | Vande Matram(अरविंद घोष)
        - 4) भवानी मंदिर | Bhavaanee mandir (वारिंद्र घोष)

2) अनुशीलन समिति | Anusheelan Committee

मिदनापुर (1902)

स्थापना :- ज्ञानेंद्रनाथ बसु

ढाका (अक्टूबर, 1906)

पुलिन बिहारीदास (सर्वाधिक संगठित)

कलकता

मार्च, 1902

सतीशचंद बसु (शेखर बंद्योपाध्याय की पुस्तक के अनुसार)

1902

1. प्रमथनाथ मित्र (अध्यक्ष)
2. जतींद्रनाथ बनर्जी (बाघा जतिन)
3. बारींद्रनाथ घोष

(सुमित सरकार के अनुसार)

3) मुज़फ़्फ़रपुर के न्यायाधीश किंग्सफोर्ड की हत्या का प्रयास | Muzaffarpur Judge Kingsford Attempted to Murder (1908)

1. अप्रैल, 1908 ई. में बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के न्यायाधीश किंग्सफोर्ड पर खुदीराम बोस और प्रफुल्ल चाकी ने बम फेंका | In April 1908, Khudiram Bose and Prafulla Chaki threw a bomb at Judge Kingsford of Muzaffarpur district of Bihar.
2. किन्तु किंग्सफोर्ड बच गया। दुर्भाग्य से उस गाड़ी में सवार राष्ट्रीय आन्दोलन से हमदर्दी रखने वाले मिस्टर कैनेडी की पत्नि और पुत्री मारी गई But Kingsford survived, unfortunately the wife and daughter of Mr. Kennedy, who had a sympathy for the national movement in that car, were killed.
3. प्रफुल्ल चाकी ने आत्महत्या कर ली, परन्तु खुदीराम बोस को गिरफ्तार कर अगस्त, 1908 ई. में 18 वर्ष की आयु में फांसी दे दी गई | Prafulla Chaki committed suicide, but Khudiram Bose was arrested and hanged at the age of 18 in August 1908.
4. खुदीराम बोस सबसे कम उम्र में फांसी पाने वाले क्रांतिकारी थे | Khudiram Bose was the youngest hanging revolutionary

4) अलीपुर षड्यंत्र केस | Alipore Conspiracy Case (1908)

1. अनुशीलन समिति ने हेमचंद्र कानूनगो को रूस बम बनाने के लिए भेजा था | Anushilan Committee sent Hemachandra Kanungo to make Russia bomb
2. उनकी वापसी के उपरांत 1907 ई. में कलकत्ता के मणिकतल्ला में बम बनाने का कारखाना स्थापित किया था, परन्तु वारीन्द्र कुमार घोष की लापरवाही से पूरा समूह पकड़ा गया, जिसमें अरविंद घोष भी शामिल थे | After his return, a bomb-making factory was established at Manikatalla, Calcutta in 1907, but the whole group was caught by the negligence of Varinder Kumar Ghosh, including Arvind Ghosh.
3. इन लोगों पर कलकत्ता के अलीपुर अदालत में केस चला। इस केस में सरकारी गवाह नरेन्द्र गोसाईं की सत्येन्द्रनाथ बोस ने हत्या कर दी | These people were tried in the Alipur court of Calcutta. In this case, government witness Narendra Gosain was murdered by Satyendranath Bose.

4. वारीन्द्र कुमार घोष के गुट के लगभग सभी सदस्यों को आजीवन कालापानी की सजा मिली, किन्तु सी. आर. दास की बेहतर पैरवी से अरविंद घोष छोड़ दिए गए | Almost all the members of the faction of Varinder Kumar Ghosh received life sentence for life, but C.R. Arvind Ghosh was left out because of Das's better defense
5. अलीपुर षड्यंत्र केस के बाद बंगाल के क्रांतिकारियों की कमर टूट गई | After the Alipur conspiracy case, the revolutionaries of Bengal were shattered.
6. अरविंद घोष ने पांडिचेरी जाकर वहीं अरोविल में एक आश्रम की स्थापना कर ली तथा राजनीति से सन्यास ले लिया | Arvind Ghosh went to Pondicherry and established an ashram in Aroville and retired from politics.

5) हावड़ा षड्यंत्र केस | Howrah Conspiracy Case (1910)

1. जतीन्द्रनाथ मुखर्जी (बाघाजतिन) ने बंगाल के उप-पुलिस अधीक्षक शमसुल आलम की हावड़ा में हत्या कर दी थी | Jatindranath Mukherjee (Baghajatin) killed Bengal Deputy Superintendent of Police Shamsul Alam in Howrah.
2. इसे हावड़ा षड्यंत्र केस के नाम से जाना जाता है। सितम्बर, 1915 ई. में बालासोर में पुलिस द्वारा घेरकर इनकी हत्या कर दी गई | It is known as Howrah Conspiracy Case. In September 1915, he was surrounded and killed by the police in Balasore.

6. पंजाब में क्रांतिकारी आंदोलन | Revolutionary movement in Punjab

पंजाब | Punjab

1. प्रणेता | Pioneer - जतिन मोहन चटर्जी (1904 ई. में भारत माता सोसायटी की स्थापना) | (Establishment of Bharat Mata Society in 1904 AD)
2. कारण | Reason - अकालों की पुनरावृत्ति व भू-राजस्व में वृद्धि | Recurrence of famines and increase in land revenue

1. अंजुमने मोहिब्बाने वतन (लाहौर) – अजीत सिंह
2. लाहौर षड्यंत्र | Lahore Conspiracy- 21 फरवरी, 1915 को पूरे उत्तर भारत में क्रांति की योजना (असफल रही) | Plan of revolution across North India on 21 February 1915 (failed)

7. मद्रास में क्रांतिकारी आंदोलन | Revolutionary movement in madras

मद्रास | Madras

1. भारत माता समिति की स्थापना | Establishment of Bharat Mata Committee :- नीलकंठ ब्रह्मचारी व वंची अय्यर

1. जून 1911 में जिला जज आशे की हत्या | Assassination of District Judge Ashe in June 1911 :- वंची अय्यर

8. दिल्ली में क्रांतिकारी आंदोलन | Revolutionary movement in delhi

दिल्ली | Delhi

लॉर्ड हार्डिंग पर बमकांड (23 दिसम्बर, 1912) - रासबिहारी बोस व सचिन सन्याल की प्रमुख भूमिका | Rasbihari Bose and Sachin Sanyal in lead roles

दिल्ली षड्यंत्र केस | Delhi conspiracy case :- बसंत विश्वास, बल मुकुंद , अवध बिहारी तथा मास्टर अमीरचंद्र को फांसी | Basant Biswas, Bal Mukund, Awadh Bihari and Master Amir Chandra hanged

रास बिहारी बोस जापान चले गये (1942 ई. में इंडियन इंडिपेंडेंस लीग का गठन) | Ras Bihari Bose went to Japan (Indian Independence League was formed in 1942 AD).

9. विदेशों में क्रांतिकारी आंदोलन | Revolutionary movement abroad

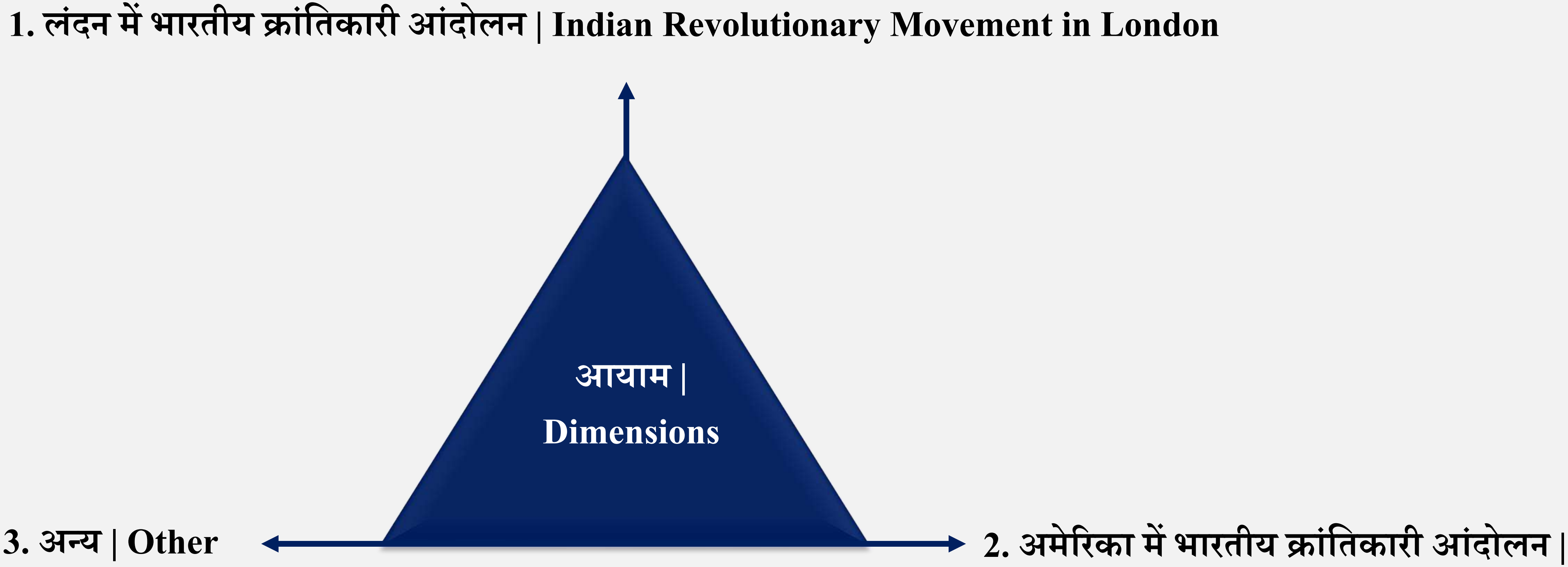

1) लंदन में भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन | Indian Revolutionary Movement in London

I. इंडिया होमरूल सोसायटी | India Home Rule Society

1. संस्थापक | Founder :- श्यामजी कृष्ण वर्मा (हिडमैन) के सुझाव पर
2. गठन | Formation :- 1905, लंदन
3. विदेशी धरती पर स्थापित सबसे पुरानी क्रांतिकारी संस्था | The oldest revolutionary institution established on foreign soil
4. उद्देश्य | Objective :- भारत के लिए स्वशासन प्राप्त करना | Achieving Self-Governance for India
5. सदस्य | Member :- लाला हरदयाल, मदन लाल ढींगरा, विनायक दामोदर सावरकर, मैडम भीकाजी कामा,
6. प्रसार | Spreading
   - इंडिया हाउस (लंदन में हॉस्टल) | India House (Hostel in London)
   - समाचार पत्र | Newspaper :- इंडियन सोशियोलॉजिस्ट | Indian Sociologist

II. अन्य तथ्य | Other facts

1. श्यामजी कृष्ण वर्मा, पेरिस गए | Shyamji Krishna Verma went to Paris

2. तब वी. डी. सावरकर ने नेतृत्व किया | V.D. Savarkar then led

सावरकर को नासिक षड्यंत्र हेतु गिरफ्तार करने भारत भेजा | Savarkar sent to India to be arrested for Nashik conspiracy

आंदोलन कमजोर हुआ | Movement weakened

किताब | Book :- इंडियन वॉर ऑफ इंडिपेंडेंस | Indian War of Independence

1857 के संग्राम को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम कहा |" The War of 1857 was called the First War of Independence

3. मदनलाल ढींगरा → जुलाई 1999

इंडिया ऑफिस (भारत सचिव) के सलाहकार कर्जन वायली की हत्या की | Murder of India Office (Secretary of India) Advisor Curzon Wylie

2) अमेरिका में भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन | Indian Revolutionary Movement in America

आयाम | Dimensions

1. स्वदेश सेवक गृह | Swadesh Home servant
2. रामनाथ पुरी | Ramnath Puri
3. यूनाइटेड इंडिया हाउस | United India House
4. हिंद एसोसिएशन ऑफ अमेरिका | Hind Association of America
5. गदर आंदोलन | Gadar movement

1. स्वदेश सेवक गृह | Svadesh Home servant :-

इसकी स्थापना कनाडा में जी. डी. कुमार ने की थी तथा गुरूमुखी भाषा में स्वदेश सेवक नामक अखबार भी निकाला | It was founded in Canada. D. Kumar and did a newspaper called Swadesh Sewak in Gurmukhi language

2. रामनाथ पुरी | Ramnath Puri :-

इन्होंने 1907 ई. में कनाडा में भारतीय स्वतंत्रता के प्रचार-प्रसार हेतु सर्क्युलर-ए-आजादी नामक पत्रिका निकाली | In 1907, he published a magazine called Circular-A-Azadi for the promotion of Indian independence in Canada.

3. यूनाइटेड इंडिया हाउस | United India House :-

इसकी स्थापना 1908 ई. में सिएटल (अमेरिका) में तारकनाथ दास और जी. डी. कुमार ने की थी। 1908 ई. में तारकनाथ दास ने बैंकुवर (कनाडा) में फ्री हिन्दुस्तान नामक पत्र भी निकाला, इन्होंने कैलिफोर्निया में भारतीय स्वतंत्रता लीग का गठन किया | It was founded in 1908 AD in Seattle (America) by Taraknath Das and G.K. D. Kumar. In 1908, Taraknath Das also took out a letter called Free Hindustan in Bankuwar (Canada), he formed the Indian Independence League in California.

4. गदर आंदोलन | Gadar movement

1. संस्थापक | Founded :- लाला हरदयाल (महासचिव | General Secretary)
2. गठन :- 1 नवंबर 1913, (सेनफ्रांसिस्को का युगांतर आश्रम, अमेरिका | San Francisco's Yugantar Ashram, America)
3. अध्यक्ष | Chairman :- सोहन सिंह भाकना (हिंदुस्तान एसोसिएशन ऑफ द पेसिफिक कोस्ट के संस्थापक)
4. अन्य सदस्य | Other members :- रामचंद्र, बरकतुल्ला, रास बिहारी बोस, राजा महेन्द्र प्रताप, अब्दुल रहमान एवं मैडम भीकाजी कामा
5. उद्देश्य व कार्य | Objective and function :- क्रांतिकारी विचारों का प्रसार | Spread revolutionary ideas
6. समाचार पत्र | Newspaper :- गदर / हिंदुस्तान गदर (साप्ताहिक)

↓

भाषा | Language :- अंग्रेजी, उर्दू, गुरुमुखी, मराठी ,हिंदी, गुजराती, पख्तून

7. प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान गदर पार्टी ने भारतीय क्रांतिकारियों से सम्पर्क स्थापित कर ब्रिटिशों के विरोध की योजना बनाई, किंतु अमेरिका के विश्वयुद्ध में शामिल होने से यह योजना असफल हो गई। लाला हरदयाल को अमेरिका छोड़ना पड़ा और इसे गैर कानूनी संस्था घोषित कर दिया गया, जिससे इसका प्रभाव समाप्त हो गया | During the First World War, the Ghadar Party made contact with the Indian revolutionaries and planned to oppose the British, but the plan failed after America joined the World War. Lala Hardayal had to leave the US and was declared an unlawful body, ending its influence.

8. लाला हरदयाल गदर आंदोलन पर प्रतिबंध लगने के बाद अमेरिका से जर्मनी चले आए। 1916 ई. में बर्लिन मे लाला हरदयाल ने भारतीय स्वतंत्रता समिति की स्थापना की | Lala Hardayal moved from America to Germany after the Ghadar movement was banned. Lala Hardayal founded the Indian Independence Committee in Berlin in 1916 AD

3) विदेशों में अन्य क्रांतिकारी आंदोलन | Other revolutionary movements abroad

1. कामागाटामारू केस | Kamagatamaru Case (1914)
2. अफगानिस्तान में अस्थायी सरकार
3. तोषामारू काण्ड | Toshamaru Event (1914)
4. सिल्क पेपर षड्यंत्र | Silk paper conspiracy (1915)
5. मैडम भीकाजी कामा | Madam Bhikaji Cama

I. कामागाटामारू केस | Kamagatamaru Case (1914)

1. कामागाटामारू एक जापानी जहाज था, जिसे पंजाब के गुरूदत्त सिंह ने मार्च 1914 ई. में हांगकांग के एजेंट से किराए पर लिया था | Kamagatamaru was a Japanese ship, hired by Gurudutt Singh of Punjab from a Hong Kong agent in March 1914
2. कनाडा सरकार ने उन भारतीयों पर कनाडा में घुसने पर प्रतिबंध लगा रखा था, जो भारत से सीधे कनाडा न आए हों | The Canadian government had banned entry of Indians who did not come directly from India to Canada.

II. अफगानिस्तान में अस्थायी सरकार | Temporary Government in Afghanistan (1915)

1. प्रथम विश्व युद्ध के दौरान 1915 ई. में राजा महेन्द्र प्रताप ने अपने सहयोगी बरकतुल्ला एवं उबेदुल्ला सिंधी के साथ काबुल में भारत की प्रथम अस्थायी सरकार का गठन किया | During the First World War in 1915 AD, King Mahendra Pratap along with his allies Barkatullah and Ubedullah Sindhi formed the first provisional government of India in Kabul.
2. इसमें राजा महेन्द्र प्रताप स्वयं राष्ट्रपति एवं बरकतुल्ला प्रधानमंत्री थे इसे जर्मनी और रूस ने मान्यता भी दी | In this, King Mahendra Pratap himself was the President and Barkatullah Prime Minister, it was also recognized by Germany and Russia.

III. तोषामारू काण्ड | Toshamaru Event (1914)

1. तोषामारू एक जहाज था, जिसमें गदर पार्टी के कुछ सदस्य भारत लौट रहे थे | Toshamaru was a ship with some members of the Ghadar Party returning to India.

2. इस दौरान सिंगापुर में सिंगापुर लाइट इन्फ्रैंट्री के जवानों ने भारतीय क्रांतिकारी परमानन्द के भाषण से प्रेरित होकर चिश्ती खां एवं डुंडे खां के नेतृत्व में विद्रोह कर दिया और अंग्रेजी सैनिक अड्डों पर कब्जा कर लिया | During this time, the soldiers of Singapore Light Infratry revolted under the leadership of Jamadar Chishti Khan and Dunday Khan and captured the English military bases in Singapore inspired by the speech of Indian revolutionary ecstasy.

3. इस घटना को सिंगापुर क्रांति के नाम से भी जाना जाता है | This event is also known as Singapore Revolution

IV. सिल्क पेपर षड्यंत्र | Silk paper conspiracy (1915)

1. हिजरत आंदोलन से जुड़े नेताओं द्वारा ब्रिटिश शासन के विरुद्ध अफगानिस्तान एवं तुर्किस्तान में खुदाई सेना की स्थापना की गई थी | Excavation forces were established in Afghanistan and Turkistan against the British rule by the leaders associated with the Hijrat movement
2. इसी सेना से जुड़े मौलवी उबैदुल्लाह सिंधी द्वारा कुछ गुप्त पत्र पीली सिल्क पर फारसी भाषा में लिखकर महमूद हसन को दिये गए, जो बाद में ब्रिटिशों के हाथ लग गए | Maulvi Ubaidullah Sindhi, belonging to this army, wrote some secret letters on the yellow silk in Persian language to Mahmud Hasan, which later became British.
3. इस घटना को सिल्क पेपर षड्यंत्र के नाम से जाना जाता है | This incident is known as silk paper conspiracy

V. मैडम भीकाजी कामा | Madam Bhikaji Cama

1. जन्म | Birth :- 24 सितंबर 1861

2. पिता | Father :- सोराबजी फ्रेमजी पटेल | Sorabji Frameji Patel

3. विवाह | Marriage :- रुस्तम के. आर. कामा

4. कार्य | Work :-

I. नेता दादाभाई नौरोजी की निजी सचिव | Private Secretary to Leader Dadabhai Naoroji

II. क्रांतिकारी राष्ट्रवाद की समर्थक | Supporter of revolutionary nationalism

III. यूरोप एवं अमेरिका से क्रांति का संचालन | Operation of revolution from Europe and America

IV. 1907 में इन्होंने स्टुटगार्ट (जर्मनी) की अंतरराष्ट्रीय समाजवादी कांग्रेस में भाग लिया, जहां इन्होंने प्रथम भारतीय झंडे को फहराया जिसकी डिजाइन इन्होंने स्वयं वी.डी. सावरकर एवं श्याम जी कृष्ण वर्मा के साथ मिलकर संयुक्त रूप से तैयार किया थाIn 1907 he attended the International Socialist Congress of Stuttgart (Germany), where he hoisted the first Indian flag, which he himself designed V.D. Savarkar and Shyam ji jointly prepared with Krishna Verma

V. वह 'भारतीय क्रांति की मां' के रूप में विख्यात हैं | She is known as the 'mother of Indian revolution'

10. क्रांतिकारी आंदोलन का द्वितीय चरण | Second phase of revolutionary movement

1) आंदोलन के कारण | Due to agitation

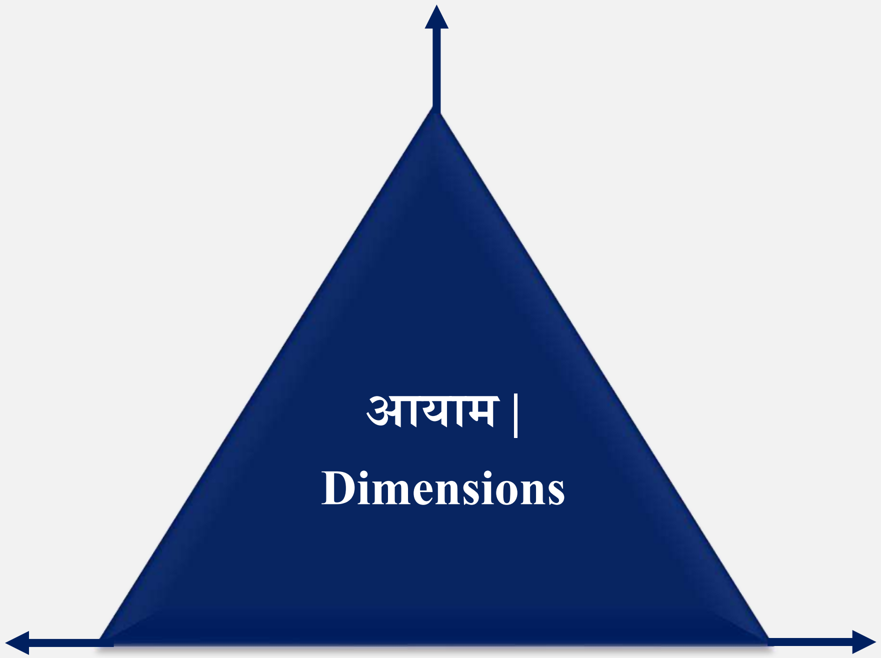

2) उत्तर भारत में क्रांतिकारी आंदोलन | Revolutionary movement in North India

3) बंगाल में क्रांतिकारी आंदोलन | Revolutionary movement in Bengal

2) उत्तर भारत में क्रांतिकारी गतिविधियां | Revolutionary activities in North India

प्रेरणा | Inspiration :- शचीन्द्र नाथ सान्याल की पुस्तक "बंदी जीवन" | Shachindra Nath Sanyal's book "bandee jeevan"

↓

हिंदी और गुरुमुखी | Hindi and Gurmukhi

I. हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन | Hindustan Republican Association

1. **स्थापना | Establishment :- अक्टूबर 1924 (कानपुर)**
2. **संस्थापक | Founded :- शचीन्द्र सान्याल, योगेश चंद्र बनर्जी**
3. **सदस्य | Member :- राम प्रसाद बिस्मिल, चंद्रशेखर आजाद,**
4. **उद्देश्य | Objective :- सशस्त्र क्रांति के माध्यम से औपनिवेशिक सत्ता को उखाड़ फेंकना और संघीय गणतंत्र की स्थापना करना | The overthrow of colonial power and the establishment of a federal republic through armed revolution.**
5. **शाखाएं | Branches :- बंगाल, बिहार, पंजाब Bengal, Bihar, Punjab**
6. **प्रमुख कार्य | Main work :- काकोरी कांड (9 अगस्त 1925) | Kakori scandal (9 August 1925)**

II. काकोरी कांड | Kakori scandal (9 अगस्त 1925)

1. घटना | Event → इस योजनानुसार दल के ही एक प्रमुख सदस्य राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी ने 9 अगस्त 1925 को लखनऊ जिले के काकोरी रेलवे स्टेशन से छूटी "आठ डाउन सहारनपुर-लखनऊ पैसेन्जर ट्रेन" को चेन खींच कर रोका और क्रान्तिकारी पण्डित राम प्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में अशफाक उल्ला खाँ, पण्डित चन्द्रशेखर आज़ाद व 6 अन्य सहयोगियों की सहायता से समूची लौह पथ गामिनी पर धावा बोलते हुए सरकारी खजाना लूट लिया।

2. उद्देश्य | Objective → क्रांतिकारी उद्देश्यों की पूर्ति हेतु धन एकत्रण | Fundraising for the fulfillment of revolutionary objectives

3. प्रतिक्रिया | React

1) 4 क्रांतिकारियों को फांसी और चंद्रशेखर आजाद बचे

   1. राम प्रसाद बिस्मिल (गोरखपुर)
      - अब मैं केवल अपनी मां का दूध पिऊगा
      - सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है
   2. रोशन (नैनी) इलाहाबाद
   3. राजेंद्र लाहिड़ी (गोण्डा)
   4. अशफाक उल्ला खा (फैजाबाद) :- प्रथम शहीद मुस्लिम क्रांतिकारी | First martyr Muslim revolutionary

2) बचाव हेतु गोविंद बल्लभ पंत की अध्यक्षता में समिति का गठन (कुछ पुस्तकों में मोतीलाल नेहरू)

Kakori Martyrs

Ram Prasad Bismil

Ashfaqullah Khan

Roshan Singh

Rajendra Lahiri

जंग-ए-आज़ादी की सबसे अहम घटनाओं में शुमार काकोरी कांड साल 1925 में 9 अगस्त को अंजाम दिया
काकोरी की वो रात...
शाहजहांपुर से लखनऊ जा रही नंबर 8 डाउन ट्रेन को लूटा गया, ताकि ब्रिटिश सरकार का खज़ाने में सेंध लगाई जाए
₹8000
लूटे गए ट्रेन से
काकोरी
KAKORI
کاکوری
newsflicks
किसे क्या सज़ा हुई?
फांसी
बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, राजेंद्र नाथ लाहिड़ी और अशफाकुल्ला ख़ान
काला पानी
सचिंद्र सान्याल और सचिंद्र बख्शी
बाकी क्रांतिकारियों को 14 साल से 4 साल तक
किसने दिया अंजाम
राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकुल्ला ख़ान, राजेंद्र लाहिड़ी, चंद्रशेखर आज़ाद, सचिंद्र बख़्शी,
1 शख़्स मारा गया
वो भी गलती से गोली चलने के कारण और एक भी

III. नौजवान सभा | Youth assembly

1. स्थापना | Establishment :- 1926, पंजाब

2. संस्थापक | Founded :- भगत सिंह, यशपाल और छबीलदास | Bhagat Singh, Yashpal and Chhabildas

3. कार्य | work :- लाहौर छात्र संघ का गठन | Formation of Lahore Students Union

IV. क्रांतिकारी दर्शन | Revolutionary philosophy, 1925

1. क्रांतिकारियों की विचारधारा का दस्तावेज | Document of the ideology of revolutionaries

2. नाम | Name :- द फिलॉसफी ऑफ द बम | The philosophy of the bomb

3. निर्माता | Producer :- भगवती चरण वोहरा | Bhagwati Charan Vohra

4. प्रस्तावना | Preamble :- भगतसिंह | Bhagat Singh

5. सहयोगी | Associate :- चंद्रशेखर आजाद | Chandrasekhar Azad

V. हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन | Hindustan Socialist Republican Association

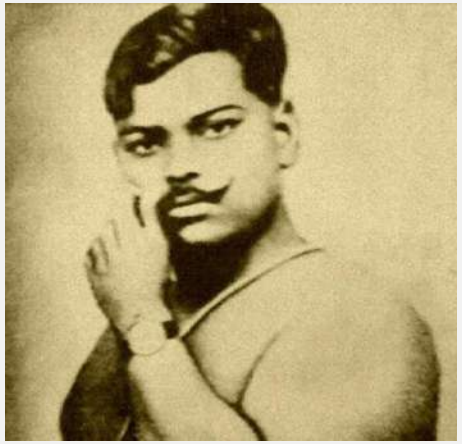

1. स्थापना | Establishment :- सितंबर 1928 (फिरोजशाह कोटला, दिल्ली)
2. संस्थापक | Founded :- चंद्रशेखर आजाद
3. सदस्य | Member :- भगत सिंह, बटुकेश्वर दत्त, जतीनंद नाथ, अजय घोष आदि
4. उद्देश्य | Objective :-

   I. उन तमाम व्यवस्थाओं का उन्मूलन करना जिसके तहत एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का शोषण करता है | To eliminate all the arrangements under which one person exploits another person.

   II. रेल एवं परिवहन के अन्य साधनों तथा इस्पात एवं जहाज निर्माण जैसे बड़े-बड़े उद्योगों का राष्ट्रीयकरण करना | Nationalization of rail and other modes of transport and large industries like steel and ship building

   III. इस संगठन का उद्देश्य मजदूरों एवं किसानों का संगठन बनाना होगा जो संगठित होकर क्रांति के लिये काम करेगा | The aim of this organization will be to create an organization of workers and peasants who will work for the revolution by getting organized.

IV. **हिंदू-मुस्लिम एकता पर बल दिया गया | Hindu-Muslim unity emphasized**

V. **साम्यवाद में आस्था व्यक्त करते हुए हा गया कि प्रकृति की सम्पदा पर हर इंसान का बराबर हक है | Expressing faith in communism, he said that every human being has equal rights over the wealth of nature.**

5. **प्रमुख कार्य | Main work**
   - **लाहौर षड्यंत्र | Lahore Conspiracy(दिसंबर 1928)**
   - **सेंट्रल लेजिस्लेटिव बम कांड | Central Legislative Bomb Scandal (8 अप्रैल 1929)**

VI. लाहौर षड्यंत्र | Lahore Conspiracy (दिसंबर 1928)

1. घटना | Event

1. लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने के लिए चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव और शिवराम ने पुलिस अधीक्षक जेम्स ए स्कॉट को मारने की योजना बनाई थी. उन्होंने 17 दिसंबर 1928 को शाम करीब सवा चार बजे अपनी योजना को अंजाम दिया, लेकिन गलत पहचान के चलते स्कॉट की जगह सहायक पुलिस अधीक्षक जॉन पी. सांडर्स मारा गया

2. इस केस के दौरान सितम्बर, 1929 ई. में भूख हड़ताल में बैठे जतिनदास की अनशन के 64वें दिन मृत्यु हो गई |

3. इसी बीच फरवरी, 1931 ई. में इलाहाबाद के अलफ्रेड पार्क में पुलिस मुठभेड़ में चन्द्रशेखर आजाद की भी मृत्यु हो गई | Meanwhile, Chandrashekhar Azad also died in a police encounter in Alfred Park, Allahabad in February 1931 AD.

3. प्रभाव | Effect

1. भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को 23 मार्च 1921 को फांसी | Bhagat Singh, Rajguru and Sukhdev hanged on 23 March 1921

2. जतिन दास की भूख हड़ताल से मृत्यु | Jatin Das dies of hunger strike

VII. सेंट्रल लेजिस्लेटिव बम कांड | Central Legislative Bomb Scandal (8 अप्रैल 1929)

1. अप्रैल, 1929 ई. को केंद्रीय विधानपरिषद में 'ट्रेड डिस्प्यूट बिल' तथा 'पब्लिक सेफ्टी बिल' पारित किया जा रहा था | On April 1929, 'Trade Dispute Bill' and 'Public Safety Bill' were being passed in the Central Legislative Council.
2. इसी असेम्बली में भगत सिंह और बटूकेश्वर दत्त ने बम फेंककर वहां कुछ पर्चे बिखेरते हुए इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाएँ | In the same assembly, Bhagat Singh and Batukeshwar Dutt threw bombs and spread slogans of Inquilab Zindabad.
3. पर्चे पर लिखा हुआ था - "बहरों को सुनाने के लिए बमों की आवश्यकता है | The pamphlet read - "Bombs are needed to hear the deaf."

VIII.अन्य तथ्य | Other facts

1) भगत सिंह

I. **21 वर्ष की आयु में लाहौर षड्यंत्र हेतु राजगुरु और सुखदेव के साथ फांसी | Hanged with Rajguru and Sukhdev for the Lahore conspiracy at the age of 21 (Lahore , Punjab)**

II. **शहीद भगत सिंह स्मारक | Shaheed Bhagat Singh Memorial :- फिरोजपुर**

III. **कथन | Statement :- आलोचना और स्वतंत्र चिंतन ही क्रांतिकारी की विशेषता है | Criticism and free thinking are the specialty of revolutionaries .**

3) बंगाल में क्रांतिकारी गतिविधियां | Revolutionary activities in Bengal

I. चटगांव आर्मरी रेड | Chittagong Armory Red (अप्रैल 1930)

1. स्थान | Place :- बंगाल का चटगांव (अप्रैल 1930)

2. नेतृत्व Leadership :- सूर्यसेन (मास्टर दा) | Suryasen (Master Da)
   - I. इंडियन रिपब्लिक आर्मी | Indian Republic Army
   - II. चटगांव आर्मरी रेड | Chittagong Armory Red

3. सहयोगी | Associate :- प्रीतिलता वाड़ेकर, कल्पना दत्त, अंबिका चक्रवर्ती, अनंत सिंह, आनंद गुप्त आदि

4. घटना | Event :- सरकारी शस्त्रागार पर हमला और अंग्रेजी अधिकारी की मौत

5. प्रभाव | Effect
   - 1) सूर्यसेन को फांसी | Hanging of Suryasen (1934)
   - 2) प्रीतिलता ने आत्महत्या की | Pritilata commits suicide
   - 3) कल्पना दत्त की गिरफ्तारी | Kalpana Dutt arrested

6) अन्य तथ्य | Other facts

- सूर्यसेन द्वारा स्वतंत्र भारत सरकार का गठन | Suryasena formed independent Indian government
- 22 अप्रैल 1930 को 80 सैनिकों का मारा | 80 soldiers killed on 22 April 1930

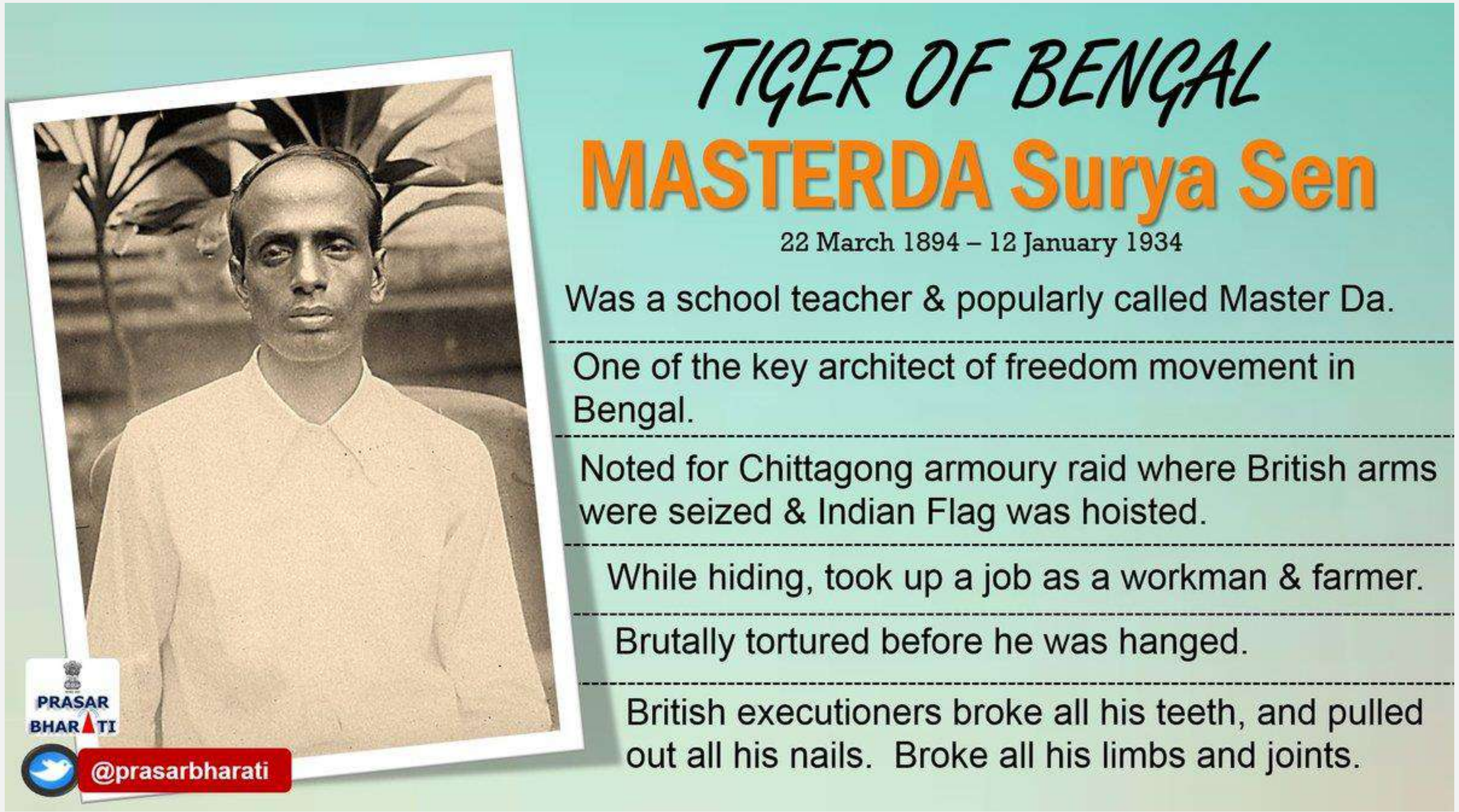

Kalpana Dutta

Pritilata Waddedar

II. बंगाल में अन्य क्रांतिकारी घटनाएं | Other revolutionary events in Bengal

1. सुभाष चंद्र बोस
   1) युगांतर | Yugantar
   2) फॉरवर्ड ब्लॉक | Forward block (3 मई 1939)

2. हेमचंद्र घोष और लीला नाग :- बंगाल स्वयंसेवक संघ | Bengal Swayamsevak Sangh

3. दिसंबर 1931 :- दो बंगाली स्कूली छात्राओं (शांति घोष और सुनीति चौधरी) द्वारा जिला अधिकारी की हत्या | District officer killed by two Bengali schoolgirls (Shanti Ghosh and Suniti Choudhary)

4. फरवरी 1932 :- बीना दास ने कलकत्ता विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में गवर्नर स्टेनली जैक्शन की हत्या का प्रयास | Bina Das attempts to assassinate Governor Stanley Jackson at the convocation of the University of Calcutta

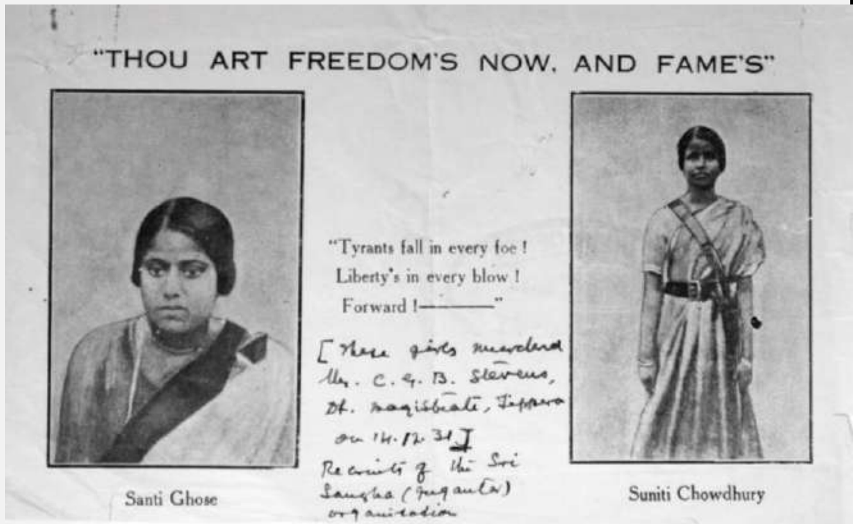

अन्य तथ्य | Other facts

1. भगवतीचरण वोहरा ने 'फिलॉसफी ऑफ द बॉम्ब' (बम का दर्शन) नामक दस्तावेज़ का लेखन किया , उन्होंने इसे चंद्रशेखर आज़ाद के अनुरोध पर तैयार किया था | **Bhagavaticharan Vohra wrote a document titled 'Philosophy of the Bomb' (Darshan of the bomb), which he prepared at the request of Chandrashekhar Azad.**
2. भगत सिंह ने 1926 में पंजाब में 'नौजवान भारत सभा' की स्थापना की | **Bhagat Singh founded the 'Naujawan Bharat Sabha' in Punjab in 1926.**
3. सुभाषचंद्र बोस ने भगत सिंह के बारे में कहा कि "भगत सिंह जिंदाबाद और इंकलाब ज़िंदाबाद का एक ही अर्थ है | **Subhash Chandra Bose said about Bhagat Singh that "Bhagat Singh Zindabad and Inquilab Zindabad have the same meaning**
4. अविन्द घोष पर अलीपुर षड्यंत्र के अंतर्गत मुकदमा चलाया गया | **Avind Ghosh prosecuted under Alipur conspiracy**
5. रासबिहारी बोस पर दिल्ली षड्यंत्र के अंतर्गत मुकदमा चलाया गया | **Rasbihari Bose prosecuted under Delhi Conspiracy**

6. युगांतर पत्र के लेखों का संग्रह " मुक्ति कौन पाथे" (मुक्ति किस मार्ग से) नामक पुस्तक से प्रकाशित हुआ | The collection of articles of Yugantar Patra was published from a book called "Mukti Kaun Pathe" (From Mukti Kis Marg)

7. 27 फरवरी, 1931 को चंद्रशेखर आजाद इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में पुलिस मुठभेड़ में शहीद हुए | 27th February, 1931. Chandrashekhar Azad martyred in a police encounter at Alfred Park, Allahabad

कांतिकारी गतिविधियों से सम्बंधित समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ व पुस्तकें | Newspapers. Journals and Books related Revolutionary Activities

समाचार-पत्र/पत्रिका/पुस्तक	सम्पादक/प्रकाशक
युगांतर | Yugaantar	वारींद्र कुमार घोष व भूपेंद्रनाथ दत्त
वंदेमातरम | Vande Matram	अरविंद घोष
भारत माता | Mother India	अजीत सिंह
इंडियन सोशियोलॉजिस्ट | Indian Sociologist	श्यामजी कृष्ण वर्मा
गदर | Mutiny	लाला हरदयाल

क्रांतिकारी दर्शन का प्रतिपादन

क्रांतिकारी दर्शन

- शोषणकारी व्यवस्थाओं का उन्मूलन
- बड़े उद्योगों का राष्ट्रीयकरण
- किसानों व मजदूरों का संगठन बनाना
- हिंदू-मुस्लिम एकता बनाए रखना
- साम्यवाद में आस्था
- प्राकृतिक सम्पदाओं पर सभी का समान अधिकार

भगत सिंह तथा उनके क्रांतिकारी साथियों ने पहली बार क्रांतिकारियों के समक्ष एक क्रांतिकारी दर्शन रखा जिसमें बताया गया कि क्रांति का क्या लक्ष्य होना चाहिये। अपने 1925 के घोषणा पत्र में इस संगठन ने निम्नांकित लक्ष्य रखे :-

1) इस संस्था का उद्देश्य उन तमाम व्यवस्थाओं का उन्मूलन करना होगा जिनके तहत एक व्यक्ति दूसरे का शोषण करता है।
2) रेल एवं परिवहन के अन्य साधनों तथा इस्पात एवं जहाज़ निर्माण जैसे बड़े-बड़े उद्योगों का राष्ट्रीयकरण किया जाएगा।
3) इस संगठन का उद्देश्य मज़दूरों एवं किसानों का संगठन बनाना होगा जो संगठित होकर क्रांति के लिये काम करेगा। हिंदू-मुस्लिम एकता को बनाए रखा जायेगा। इन्होंने साम्यवाद में अपनी आस्था व्यक्त की और प्रकृति की सम्पदा पर हर इंसान का बराबर हक है, इस सिद्धांत की वकालत की।

4) भगत सिंह ने साम्यवाद का गहन अध्ययन किया था। उन्होंने लाहौर के द्वारकादास पुस्तकालय में रखी क्रांति से सम्बंधित लगभग सभी पुस्तकों को पढ़ डाला था। लाहौर में सुखदेव व अन्य लोगों की मदद से उन्होंने कई अध्ययन केंद्र स्थापित किये थे और जब एच. एस. आर. एक्का दफ्तर आगरा चला गया तो वहाँ भी भगत सिंह ने एक पुस्तकालय की स्थापना की। एक बार लाहौर कोर्ट में उन्होंने कहा था कि "क्रांति की तलवार में धार वैचारिक पत्थर पर रगड़ने से ही आती है । "

5) क्रांतिकारियों ने जनता को अपनी विचारधारा से अवगत कराने के लिये अपना दस्तावेज़ "द फिलॉसफी ऑफ द बम " नाम से जारी किया। इसे आज़ाद के अनुरोध पर भगवती चरण वोहरा ने तैयार किया था। इसकी प्रस्तावना भगत सिंह ने लिखी थी। अपने विचारों का प्रचार करने के लिये 1926 ई. में भगत सिंह ने भारत नौजवान सभा की स्थापना की। वे इस संगठन के संस्थापक महामंत्री थे। इस संगठन के तत्त्वावधान में भगत सिंह तथा सुखदेव ने छात्रों के बीच खुलें तौर पर काम करने के लिये लाहौर छात्र संघ का गठन किया।

6) 3 मार्च, 1931 को भगत सिंह ने अपने अंतिम संदेश में घोषणा की थी कि "भारत में संघर्ष तब तक चलता रहेगा जब तक मुट्ठी भर शोषक अपने लाभ के लिये जनता के श्रम का शोषण करते रहेंगे। इसका कोई खास महत्त्व नहीं है कि शोषक अंग्रेज पूंजीपति हैं या अंग्रेज़ और भारतीयों का गठबंधन है या पूरी तरह से भारतीय है। " क्रांतिकारी आतंकवादी की खास बात थी उनका धर्मनिरपेक्ष चरित्र। 1924 ई. में जब लाला लाजपत राय ने साम्प्रदायिक राजनीति का रास्ता अख्तियार किया तो भगत सिंह ने उनके खिलाफ वैचारिक आंदोलन छेड़ दिया। इस हेतु उन्होंने राबर्ट ब्राउनिंग की एक कविता द लॉस्ट लीडर को एक पर्चे के रूप में छापा।

3) प्रथम चरण एवं द्वितीय चरण के क्रांतिकारी के स्वरूप में अंतर

1) पहले चरण के क्रांतिकारी प्रबल राष्ट्रवादी भावना से युक्त थे तथा ब्रिटिश सत्ता को बल से समाप्त करना चाहते थे। लेकिन इनके पास भविष्य के लिये कोई रणनीति का खाका नहीं था- जैसे आगे के प्रशासन का निर्माण किस प्रकार किया जाए उसका दार्शनिक आधार क्या होगा क्रांतिकारी संघर्ष में जनता का सहयोग कैसे प्राप्त किया जाएगा इत्यादि, जबकि दूसरे चरण में समाजवादी विचारधारा का स्पष्ट प्रभाव था। वे ब्रिटिश राज के समापन के पश्चात् किसानों और मज़दूरों के राज का लक्ष्य निर्धारित किये थे।

2) प्रथम चरण में क्रांतिकारियों का झुकाव धार्मिक पुनरुत्थानवाद की तरफ भी था, जबकि दूसरे चरण में यह समाप्त हो गया था। इस चरण में हिंदू-मुस्लिम एकता को बनाए रखने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया।

3) प्रथम चरण की आतंकवादी कार्यपद्धति अधिकांशतः व्यक्तियों की हत्या पर आधारित थी, जबकि दूसरे चरण में यह अधिकतर सरकारी संस्थानों पर हमला करने और उसमें रुकावट डालने वालों को खत्म करने पर आधारित थी।

4) प्रथम चरण के क्रांतिकारी आंदोलन का विकास कहीं-कहीं उदारवादी और उग्रवादी आंदोलनों की निराशा एवं असफलता से जुड़ा था, जबकि द्वितीय चरण का विकास गांधीजी द्वारा असहयोग आंदोलन के स्थगन की प्रतिक्रिया तथा रुसी, चीन, आयरलैंड, तुर्की एवं मिस्त्र की क्रांति के आदर्शों से प्रभावित थे।

4) मूल्यांकन

1) क्रांतिकारी बलपूर्वक ब्रिटिश सरकार की सत्ता को बदलने में कामयाब नहीं हो पाए। इसके पीछेकुछ महत्त्वपूर्ण कारण थे, जैसे- स्थाई समाधान का अभाव, कमज़ोर संगठन और सीमित संसाधन । साथ ही महात्मा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस का आंदोलन चरम पर था जो एक स्थाई विकल्प की ओर बढ़ चुका था।

2) फिर भी क्रांतिकारियों का योगदान इस बात में महत्त्वपूर्ण है कि राष्ट्रीय आंदोलन की मुख्य धारा के शिथिलता का दौर आया तो क्रांतिकारी आंदोलन ने इस राजनीतिक शून्यता को भरने का प्रयास करने तथा अभूतपूर्व आत्मत्याग एवं बलिदान का उदाहरण देकर लोगों में राष्ट्रीयता को जगाने का प्रयास किया।

3) वस्तुतः किसी आंदोलन की सफलता-असफलता का मूल्यांकन दीर्घकालीन प्रभावों तथा उसके जनमानस को प्रभावित व प्रेरित करने की क्षमता के आधार पर किया जाना चाहिये। इस अर्थ में क्रांतिकारी आंदोलन ने जनमानस के अंदर स्वतंत्रता प्राप्ति की भावना को जागृत किया। साथ बल्कि ही आत्मत्याग / बलिदान के आदर्श ने न केवल राष्ट्रीयता की भावना को मज़बूत किया, साम्राज्यवादी शक्तियों पर प्रभावी दबाव डालने में भी भी सफल रहा। भारत का राष्ट्रीय आंदोलन एवं स्वतंत्रता संग्राम भिन्न-भिन्न समय पर अलग-अलग वैचारिक आयामों से होकर गुज़रा जिसका एक आयाम क्रांतिकारी आंदोलन विचारधारा का भी रहा।

NOTE

अन्य स्मरणीय तथ्य (Other Memorable Facts)

1) भगवतीचरण वोहरा ने 'फिलॉसफी ऑफ द बॉम्ब' (बम का दर्शन) नामक दस्तावेज़ का लेखन किया। उन्होंने इसे चंद्रशेखर आज़ाद के अनुरोध पर तैयार किया था।
2) भगत सिंह ने 1926 में पंजाब में 'नौजवान भारत सभा की स्थापना की।
3) सुभाषचंद्र बोस ने भगत सिंह के बारे में कहा कि "भगत सिंह जिंदाबाद और इंकलाब जिंदाबाद" का एक ही अर्थ है।
4) अरविन्द घोष पर अलीपुर षड्यंत्र के अंतर्गत मुकदमा चलाया गया।
5) रास बिहारी बोस पर दिल्ली षड्यंत्र के अंतर्गत मुकदमा चलाया गया।
6) युगांतर पत्र के लेखों का संग्रह "मुक्ति कौन पाथे" (मुक्ति किस मार्ग से) नामक पुस्तक से प्रकाशित हुआ।
7) 27 फरवरी, 1931 को चंद्रशेखर आज़ाद इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में पुलिस मुठभेड़ में शहीद हुए।

NOTE

क्रांतिकारी गतिविधियों से सम्बंधित समाचार पत्र, पत्रिकाएँ व पुस्तकें

समाचार-पत्र / पत्रिका / पुस्तक	सम्पादक प्रकाशक
1) युगांतर	बारींद्र कुमार घोष व भूपेंद्रनाथ दत्त
2) वंदेमातरम	अरविंद घोष
3) भारत माता	अजीत सिंह
4) इंडियन सोशियोलॉजिस्ट	श्यामजी कृष्ण वर्मा
5) गदर	'लाला हरदयाल
6) बंदी जीवन	शचीन्द्र सान्याल
7) स्वदेश सेवक (गुरुमुखी)	जी.डी. कुमार
8) फ्री हिंदुस्तान	तारकनाथ दास
9) भवानी मंदिर	अरविंद घोष
10) सर्कुलर-ए- आज़ादी	रामनाथ पुरी